সংবাদ প্রতিদিন

কলকাতা ◆ ২৭ মার্চ ২০০৭ মঙ্গলবার ১২ চৈত্র ১৪১৩ ◆

সরলা সম্মানিত

স্টাফ রিপোর্টার : রাজস্থান ফাউন্ডেশনের পক্ষ থেকে সরলা বিড়লাকে প্রবাসী প্রতিভা পুরস্কার ২০০৭ প্রদান করা হবে। তাজ বেঙ্গল হোটেলে বিচারকরা মিলিত হয়ে এই সিদ্ধান্ত নেন। এ ছাড়া জলদিমাটি পুরস্কার দেওয়া হচ্ছে সারদমল কাঙ্গারিয়াকে। ধরতি ধোরা পুরস্কার দেওয়া হবে মরুধারা সংস্থাকে। মরুধার গৌরব পুরস্কার পাচ্ছেন অনামিকা খান্না।

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

कोलकाता, 27 मार्च 2007 (चैत्र शुक्ल पक्ष 9, संवत 2064) • मंगलवार •

सरला बिरला को प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार

संवाददाता

कोलकाता: राजस्थान फाउंडेशन की ओर से सरला बिरला को प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार 2007 (अप्रवासी प्रतिभा पुरस्कार 2007) दिये जाने की घोषणा की गयी है. फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक बैठक के दौरान यह फैसला लिया गया. इसके साथ ही बैठक में हल्दी घाटी पुरस्कार शारदामल कांकरिया को एवं मरुधर गौरव पुरस्कार अनामिका खन्ना को दिये जाने की घोषणा की गयी है. बैठक के दौरान फाउंडेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ ने कहा कि सरला बिरला का देश के सामाजिक व शैक्षिक उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान है. इस पुरस्कार की एक लाख की राशि श्री सीमेंट लिमिटेड की ओर से दी जायेगी. फाउंडेशन के सचिव

संदीप भूतोड़िया ने कहा कि सरला बिरला सिर्फ एक उद्योगपति ही नहीं है, बल्कि वे एक जानी-मानी सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं. फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस बैठक में पुरस्कार चयन समिति के अध्यक्ष प्रभा खेतान, केबी अग्रवाल, मोहनलाल तुलस्यान, संजय बुधिया, आर एस गोयनका सहित फाउंडेशन से जुड़े अन्य लोग मौजूद थे.पिछले वर्ष प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार मशहुर नाटककार श्यामनंद जालान को दिया गया था.

पिछले वर्ष आयोजित पुरस्कार समारोह में राज्यपाल गोपालकृष्ण गांधी, असम के राज्यपाल अजय सिंह, विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, कोलकाता के मेयर विकास रंजन भट्टाचार्या एवं उदयपुर की महारानी पद्मजा कुमारी सहित अन्य लोगों ने शिरकत की थी.फाउंडेशन की ओर से पहला प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार उपन्यासकार कन्हैयालाल सेठिया को राजस्थान की तत्कालीन राज्यपाल प्रतिभा पाटिल द्वारा उनके निवास पर दिया गया था. उन्हें पद्मश्री पुरस्कार भी मिल चुका है.

2

THE FINANCIAL EXPRESS
WEDNESDAY, APRIL 11, 2007 KOLKATA

Rajasthan Foundation awards

Rajasthan Foundation has decided to honour Sarala Birla with the Pravasi Pratibha Puraskar 2007. The decision was taken in a meeting in Kolkata addressed by novelist and thinker Prabha Khaitan, chairman of Rajasthan Foundation's Award Selection Committee. Eminent members like KB Agarwala of Rupa & Co, Madhu Neotia of Bhagirathi Neotia Woman & Child Care Centre, Sanjay Budhia of Patton Ltd were present. In the youth section, Anamika Khanna will be awarded with 'Marudhar Gaurav Award' for her contribution in fashion designing.

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

कोलकाता, 23 मई 2007

सरला बिरला को राजस्थान फाउंडेशन का प्रवासी प्रतिभा सम्मान

कोलकाता: राजस्थान फाउंडेशन ने उद्योगपति सरला बिरला को प्रवासी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित करने की घोषणा की है. कोलकाता के ताज बंगाल होटल में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया और तय किया गया है कि यह सम्मान समारोह 31 मई को आयोजित होगा. इस बैठक में साहित्यकार व सम्मान चयन कमेटी की चेयरमैन डॉ प्रभा खेतान भी मौजूद थीं.इसके अलावा फाउंडेशन की ओर से हल्दी घाटी सम्मान सरदारमल कांकरिया को दिया जायेगा. यह सम्मान उन्हें शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जा रहा है.स्थानीय संगठन मरुधारा को धरीत धोरा री सम्मान दिया जायेगा. संस्था ने राजस्थानी कला व संस्कृति को हमेशा प्रोत्साहित किया है और इस दिशा में उल्लेखनीय काम किया है.युवा प्रतिभाओं को सम्मानित करने के मकसद से फाउंडेशन ने डिजायनर अनामिका खन्ना को मरुधर गौरव अवार्ड से सम्मानित किया है.फाउंडेशन के

सरला बिरला

अनामिका खन्ना

अध्यक्ष एचएम बांगड़ ने कहा कि सरला बिरला का सामाजिक, सांस्कृतिक व शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा है. उन्होंने अपनी कोशिशों से समाज के बड़े वर्ग का हित किया है. पुरस्कार के तौर पर श्री सीमेंट की तरफ से एक लाख रुपये की राशि का योगदान किया जाता है. मौके पर राजस्थान फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया ने आज कहा कि सरला बिरला न सिर्फ एक उद्योगपति हैं बल्कि वह एक जानी-मानी सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं. फाउंडेशन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में भूतोड़िया ने कहा है कि श्रीमति बिरला आज की विकासशील नारी की एक ज्वलंत उदाहरण हैं और वह समाज में अपनी पहचान को और अधिक मुखर करने में कामयाब रही हैं. विज्ञप्ति में बताया गया है कि राजस्थान फाउंडेशन एक गैर सरकारी संस्था है जिसका मुख्य काम कोलकाता में रह रहे राजस्थानियों को उनकी धरती से जोड़ना है. फाउंडेशन की अध्यक्ष राजस्थान की मुख्यमंत्री बसुंधराराजे सिंधिया हैं.

卐।।श्री हरिः।। 卐

सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

कोलकाता
गुरुवार 24 मई, 2007,

सरला बिड़ला को प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार

कोलकाता : सरला बिड़ला को इस वर्ष प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। राजस्थान फाउंडेशन का कोलकाता चैप्टर आगामी 31 मई को एक कार्यक्रम में सरला बिड़ला को प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार, 2007 से सम्मानित करेगा। यह पुरस्कार उप राष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत प्रदान करेंगे। फाउंडेशन की अवार्ड सेलेक्शन कमेटी की चेयरपर्सन डॉ. प्रभा खेतान के नेतृत्व में हुई एक बैठक में इस आशय का प्रस्ताव पारित किया गया। इस कमेटी की बैठक में रामअवतार गुप्त, के.बी. अग्रवाल, मधु नेवटिया, मोहनलाल तुलस्यान, हरि मोहन बांगड़, संजय बुधिया और संदीप भूतोड़िया भी मौजूद थे। इस वर्ष शारदामल कांकड़िया को हल्दी घाटी पुरस्कार तथा अनामिका खन्ना को मरुधर गौरव अवार्ड से सम्मानित किया जायेगा।

THE ASIAN AGE
Kolkata Monday 28 May 2007

Rajasthan Foundation Kolkata will honour Sarala Birla with the **Pravasi Pratibha Puraskar 2007** (Non Residential Talent Award). The felicitation ceremony will be held on May 31 at Hotel Taj Bengal. Vice President of India, Bhairov Singh Shekhawat will be the chief guest. Other awardees include Anamika Khanna, Sardarmull Kankaria and Marudhara.

卐।।श्री हरिः।। 卐

सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

कोलकाता
गुरुवार 31 मई, 2007,

राजस्थान फाउंडेशन का सम्मान समारोह

कोलकाता : राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन गुरुवार को किया गया है। इस वर्ष इस समारोह में प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार के लिए उद्योगपति डॉक्टर सरला बिड़ला का चयन किया गया है। डॉक्टर सरला बिड़ला को उपराष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत सम्मानित करेंगे।

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

कोलकाता, गुरुवार, 31 मई, 2007

मारवाड़ री माया

राजस्थानी महिलावां रो प्रगति कदम

सच्चिदानंद पारीक

राजस्थान की माननीय मुख्यमंत्री साहिबा वसुंधरा राजे सिंधिया ने बीता दिनां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में वीमैन टुगेदर अवार्ड से सम्मानित किया गयो. न्यूयार्क म आयोजित तीसरे वीमैन टू गेदर अवार्ड म श्रीमती राजे रे अलावा नोबल पुरस्कार विजेता मथाई व श्री ईबादी ने भी इयें पुरस्कार स्यूं सम्मानित किया गयो. राजस्थान अप्रवासी आस्ते या बहुत बड़ी खुशखबरी है कि श्रीमती राजे या पुरस्कार पावण वाली. देश की पेहली मुख्यमंत्री बणगी हैं. यो पुरस्कार राजस्थान मायं कोटा डोरिया एवं खादी रे प्रोत्साहन देवण अर कतिनों और बुनकरों ने अन्तरराष्ट्रीय पिचाण दिलावण के आलावा महिला सशक्तीकरण वास्ते उनाकें प्रयासां रे वास्ते दियो गयो. पुरस्कार लेवते टाईम बसुंधराजी भावुक हो उठ्या. वै इये पुरस्कार ने राजस्थान की महिलावां,कातीनां व बुनकरां ने समर्पित करता हुयां बोल्या कि -इयें पुरस्कार रा असली हकदार तो वे लोग है, जिनाकें हाथां की बनाचड़ी साड़ी म्हैं पैहर राखी हूं. इयें पुरस्कार रे माध्यम पूरो विश्व जाण गयो कि राजस्थान की महिलावां विकास री लय सागै सशक्तीकरण री राह पर आत्मनिर्भर होकर तेजी से आगे बढ़ रही है. राजस्थान री प्रतिभा- कला-संस्कृति रे इये उज्ज्वल पक्ष ने ही राखण/प्रोत्साहित करण रे उद्देश्य स्यूं वसुंधराजी द्वारा स्थापित राजस्थान फाउंडेशन की कोलकाता शाखा आज ताज बंगाल होटल में उद्योग, कला, सामाजिक सेवा में समर्पित तीन उल्लेखनीय व्यक्तित्वां श्रीमती सरलाजी बिड़ला,श्री सरदारमल कांकरिया,श्रीमती अनामिका खन्ना ने सम्मानित करने जा रही है. उपराष्ट्रपति भैरोसिंहजी शेखावत इये समारोह का प्रधान अतिथि हुवैगा. समारोह में दो अलग अलग क्षेत्र में कार्यरत महिलावां ने सम्मानित कियो जानो राजस्थान की महिलावां की प्रतिभा क सशक्त पक्ष ने उजागर करै है. एक जमानो थो, जब राजस्थान की महिलावां घर परिवार की जिम्मेदारी तक सीमित मानी जावती थी.लेकिन आज घर से बाहर भी.वे आपणो सुयश स्थापित कियो है. हालांकि बीते परिप्रेक्ष्य में भी देखें तो भी उनाकी कर्मठता वंदनीय व स्मरणीय रही है.कार्यक्षमता म उनाकों कोई सानी नहीं रह्यो .बड़े संयुक्त परिवार की जिम्मेदारी सम्भालनी विये समय कोई साधारण बात नहीं थी. बड़ा से लेकर छोटा तक को ध्यान राखनो.मर्यादित पूर्ण जीवन शैली सागै कठोर परिश्रम. घर की पूरी जिम्मेदारी उठानी.घटी पिसाई स लेकर सात कोसां दूर कुंए से मटके में जल उंच कर लाणो. मौजूदा दौर में वाही प्राचीन पृष्ठ भूमि या संस्कार राजस्थानी महिलावां की प्रगति को आधार मान्यो जा सकै है. आधुनिक महिलावां घर की जिम्मेदारी भी बखूबी उठा रही है तो आफिस ,कामकाज अर समाजिक जिम्मेदारियों न भी भी कर्मठता से अंजाम दे रही है. सरलाजी में सफल उद्यमी, समर्पित जनसेविका,सहयोगी पत्नि,मागदर्शक दादी-मां, आत्मीयता से पूर्ण सास,गम्भीर प्रशासक की छवि देखअण मिलै है. अनामिकाजी फैशन डिजायनर के रुप में प्रगति की ओर गतिमान है.नि:संदेह राजस्थान समाज में प्रतिभा री भारमार है. राजस्थान की शिल्प कला सागै उठै की अन्य कारीगरी रो पूरे विश्व में नाम है.जै उचित प्रोत्साहन सागै सही दिशा मिलती रहवै तो गौरवशाली भारत को नावं विश्व के हर कोने में यो प्रदेश इयो ही बराबर ऊंचो करतो रहवै.

प्रभात ख

कोलकाता, गुरुवार, 31 मई, 200

उपराष्ट्रपति शेखावत आज महानगर में

कोलकाता : उपराष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत कल महानगर में आ रहे हैं. वह महानगर में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे. कल दोपहर 12 बजे वे देश की आजादी की पहली लड़ाई की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एमसीसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे. इसके अलावा शाम चार बजे राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर की ओर से आयोजित प्रवासी सम्मान समारोह में हिस्सा लेंगे. इसके साथ ही कल वे हवाई अड्डे से उतरने के तुरंत बाद माकपा के वरिष्ठ नेता ज्योति बसु से मिलने जायेंगे. वे शहर के एक होटल में सैनिकों को परमवीर चक्र से भी सम्मानित करेंगे. अपने व्यस्ततम समय में कुछ समय निकाल कर वह कालीघाट मंदिर का भी दर्शन करेंगे. कल रात राजभवन में बीताने के बाद शुक्रवार की सुबह वह दिल्ली के लिए रवाना हो जायेंगे. उनके आगमन पर हवाईअड्डे पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है.

(उपराष्ट्रपति आज सरला बिरला को प्रवासी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित करेंगे. विस्तृत खबर पेज 10 पर)

उपराष्ट्रपति आज पदा

कोलकाता: राजस्थान फाउंडेशन की तरफ से महामहिम उ
शेखावत आज डॉ सरला बिरला को प्रवासी प्रतिभा सम्मान
इसके अलावा फाउंडेशन की ओर से हल्दीघाटी सम्मान सर
दिया जायेगा. यह सम्मान उन्हें चिकित्सा व सेवा क्षेत्र में उल्ले
दिया जा रहा है. स्थानीय संगठन मरुधारा को धरती धोरा री
संस्था ने राजस्थानी कला व संस्कृति को हमेशा प्रोत्साहित कि
उल्लेखनीय काम किया है. युवा प्रतिभाओं को सम्मानित
फाउंडेशन ने ब्रिजायनर अनामिका खन्ना को मरुधर गौरव अ

डॉ सरला बिरला

विदर्भ के महान कांग्रेस नेता व महात्मा गांधी के करीबी बृजलाल बियाणी की सबसे छोटी बेटी सरला जी का जन्म 1923 में हुआ था. सरला जी सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति आस्था को देखते हुए बापू ने खुद उनका विवाह घनश्याम दास जी बिरला के तीसरे पुत्र बसंत कुमार बिरला के साथ विवाह करने की इच्छा जतायी, जिसके बाद बापू की उपस्थिति में वर्धा आश्रम में बसंत कुमार के साथ उनकी सगाई हुई. श्रीमती बिरला का सबसे बड़ा योगदान शिक्षा के क्षेत्र में रहा है. कोलकाता के अलावा देश के कई शहरों में बिरला ग्रुप के स्कूलों का वह सफल संचालन करती हैं. संगीत व कला में उनकी गहरी रुचि है. बिरला अकादमी ऑफ आर्ट्स एंड कल्चर्स, संगीत कला मंदिर जैसी संस्थाओं का भी कुशलतापूर्वक संचालन करती हैं. सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें मोहनलाल सुखड़िया विश्वविद्यालय से डी-लिट् की मानद उपाधि से नवाजा गया. सरला बिरला एकमात्र भारतीय महिला हैं, जिन्हें चाइना एकेडमी, ताइवान की ओर से सम्मानित किया गया है. व्यवसाय के क्षेत्र में भी उन्होंने सराहनीय कार्य किया है. डॉ सरला बिरला कई व्यावसायिक संगठनों से भी जुड़ी रही हैं. साल 1968 में सरला जी के प्रयासों से कोलकाता में वर्ल्ड स्प्रिचुअल समिट कांफ्रेंस का आयोजन हुआ. इनके निमंत्रण पर 20 देशों के विभिन्न धर्मों के 120 धर्मगुरुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया. उनके द्वारा लिखित पुस्तक 'अनहद की झंकार' उनके दार्शनिक विचारों की अभिव्यक्त करते हैं.

9A

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

खबर

अखबार नहीं आंदोलन

न करेंगे सरला बिरला को प्रवासी प्रतिभा सम्मान

राष्ट्रपति भैरोंसिंह
सम्मानित करेंगे.
रमल कांकरिया को
नीय योगदान के लिए
म्मान दिया जायेगा.
है और इस दिशा में
रने के मकसद से
ई से सम्मानित करने

का फैसला किया है. फाउंडेशन के अध्यक्ष एचएम बांगड़ ने बताया कि डॉ सरला बिरला का सामाजिक, सांस्कृतिक व शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा है. उन्होंने अपनी कोशिशों से समाज के बड़े वर्ग का हित किया है. उनका सम्मान महिला जगत का सम्मान माना जाना चाहिये.

राजस्थान फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि सरला बिरला न सिर्फ एक उद्योगपति हैं, बल्कि वह एक जानी-मानी सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं. उन्होंने कहा कि कोलकाता की शख्सीयतों को सम्मानित कर संस्था गौरवान्वित महसूस कर रही है. राजस्थान फाउंडेशन एक गैर सरकारी संस्था है जिसका मुख्य काम कोलकाता में रह रहे राजस्थानियों को उनकी धरती से जोड़ना है. फाउंडेशन की अध्यक्ष राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधराराजे सिंधिया हैं.

सरदारमल कांकरिया

राजस्थान के नागौर जिले के गोगोलाव गांव में सरदारमल कांकरिया का 18 जनवरी, 1929 में जन्म हुआ. पिता किशनलाल कांकरिया व मां जेठीदेवी कांकरिया ने उन्हें बड़े स्नेह से पाला. उन्हें अच्छे संस्कार दिये. श्री कांकरिया की शिक्षा माध्यमिक तक ही है. 17 वर्ष की उम्र में उनका परिणय फूलकंवर से हुआ. पहली बार श्री कांकरिया ने 1945 में कोलकाता में अपना कदम रखा. फिलहाल वह जूट, ऊन, फिल्म वितरण, रसायन उद्योग व भवन निर्माण के व्यवसाय के अलावा शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हैं. आज श्री कांकरिया की पहचान महानगर के एक उद्योगपति के रूप में कम, समाजसेवी के रूप में ज्यादा है. कांकरिया 18 वर्ष की उम्र से ही सामाजिक कार्यों से जुड़े हैं. सन 1957 में अखिल भारत वर्षीय स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस के कार्यकारी सदस्य के रूप में पहली बार समाज सेवा के क्षेत्र में उतरे. साल 1958 में श्री जैन विद्यालय(कोलकाता) के मंत्री बने. बरसों तक विद्यालय के कई पदों को सुशोभित किया. मोहनलाल सुखड़िया विश्वविद्यालय में जैन दर्शन के विभाग की स्थापना कांकरिया के प्रयासों से ही हुआ. भगवान महावीर पर विभिन्न लेख हिंदी व अंगरेजी में ग्रंथ के रूप में प्रकाशित करवाते रहे. उन्होंने कांकरिया चैरिटेबुल ट्रस्ट की स्थापना करके प्रतिभासंपन्न जरूरतमंद छात्रों का आगे बढ़ना सुनिश्चित कराया. संस्था विचारमंच के माध्यम से नवोदित कलाकारों को सम्मानित करने का काम भी किया. महानगर के आस-पास श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा के माध्यम से इन्होंने श्री जैन विद्यालय, कॉलेजों व अस्पतालों की शृंखला खुलवायी.

अनामिका खन्ना

कोलकाता की अनामिका खन्ना ने फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में अपनी अच्छी पहचान बनायी है. बीएल पाटनी की सुपुत्री अनामिका ने ग्रेजुएशन करने के बाद से ही इस क्षेत्र में लगातार कामयाबी की कई सीढ़ियां तय कीं. उनका विवाह व्यवसायी विजय खन्ना से हुआ है. अनामिका का मानना है कि विजय ने हमेशा ही उन्हें अच्छा करने को प्रेरित किया है. अनामिका जुड़वां बेटों की मां की जिम्मेदारी निभा रही हैं. अनामिका ने हमेशा ही लीक से हटकर काम करने में विश्वास किया है. कोलकाता को अनामिका पर गर्व है.

राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर की कार्यकारिणी

वसुंधरा राजे सिंधिया(संरक्षक) , हरिमोहन बांगड़(अध्यक्ष), संदीप भूतोड़िया(सचिव), विश्वंभरदयाल सुरेका, हरि प्रसाद बुधिया, सीताराम शर्मा, विश्वंभर नेवर, प्रह्लाद राय अग्रवाल, डॉ एके शर्मा, दीपचंद नाहटा, राधेश्याम अग्रवाल, तिलोकचंद डागा.

सम्मान चयन समिति के सदस्य :

डॉ प्रभा खेतान (अध्यक्षा), कुंज बिहारी अग्रवाल, मधु नेवटिया, मोहनलाल तुलस्यान, राधेश्याम गोयनका, रामअवतार गुप्ता, संजय बुधिया.

विशेष अतिथि :

विधानसभा अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम, मंत्री अब्दुस सत्तार, उद्योगपति बसंत कुमार बिरला, उद्योगपति हर्षवर्द्धन नेवटिया, विधायक दिनेश बजाज व अन्य गणमान्य.

संस्था के अध्यक्ष एचएम बांगड़(बायें), संरक्षक वसुंधरा राजे सिंधिया व सचिव संदीप भूतोड़िया.

प्रस्तुति : पुरुषोत्तम तिवारी

9B

Business Standard
FRIDAY 1 JUNE 2007

Shekhawat wants focus on poor

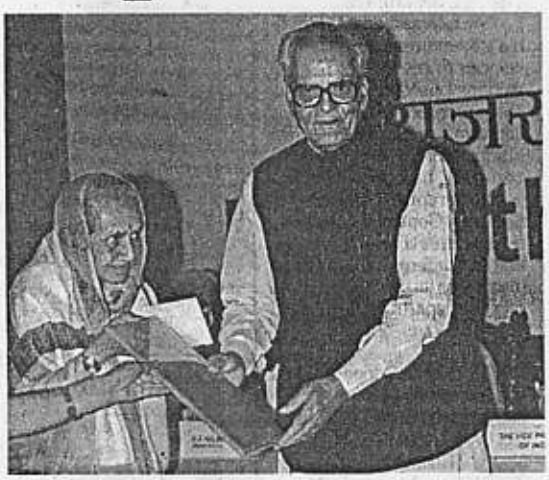

Bhairon Singh Shekhawat (right), presenting the award to Sarala Birla, at the Rajasthan Foundation Function in Kolkata on Thursday SUBRATA MAJUMDER

BS REPORTER
Kolkata, 31 May

Vice-President Bhairon Singh Shekhawat emphasised the need to provide basic education and healthcare facilities to the people living below the poverty line.

The Vice-President was speaking on the occasion of an awards ceremony organised by the Rajasthan Foundation.

Shekhawat conferred the 'Pravasi Pratibha Puraskar' on Sarla Birla, distinguished social worker and businesswoman.

Noted fashion designer Anamika Khanna was also felicitated by Shekhawat.

The Non Residential Talent Award-'Haldighati Award' was given to Sardamal Kankaria while Marudhara, a local group bagged the 'Dharti Dhora Ri' Award for its constant effort to promote Rajasthani Art and Culture in Kolkata.

Shekhawat called upon the Rajasthan Foundation to institute an award in recognition of the selfless service to the poor.

The other dignitaries who were present on the occasion were Digvijay Singh, Member of Parliament, Hashim Abdul Salim, the speaker of West Bengal assembly ,Abdul Sattar, the state minority affairs minister and BK Birla.

About 26 crore people in India live below the poverty line and they are devoid of proper education and healthcare facilities, he said. There is a strong need to set up schools and educational institutes where poor children can study, Shekhawat said. "We should also build hospitals where people living below the poverty line can get treatment", he added.

THE FINANCIAL EXPRESS

Kolkata, Friday, June 1, 2007

Sarala Birla receiving the Pravasi Pratibha Puraskar 2007 from vice-president of India Bhairon Singh Shekhawat in Kolkata on Thursday. The event was organised by the Rajasthan Foundation Kolkata Chapter. "The Marwaris across India should set up educational institutes to serve the poor," Shekhawat said on the occasion. Dilip Dutta

RIDAY, JUNE 1, 2007

Hindustan Times

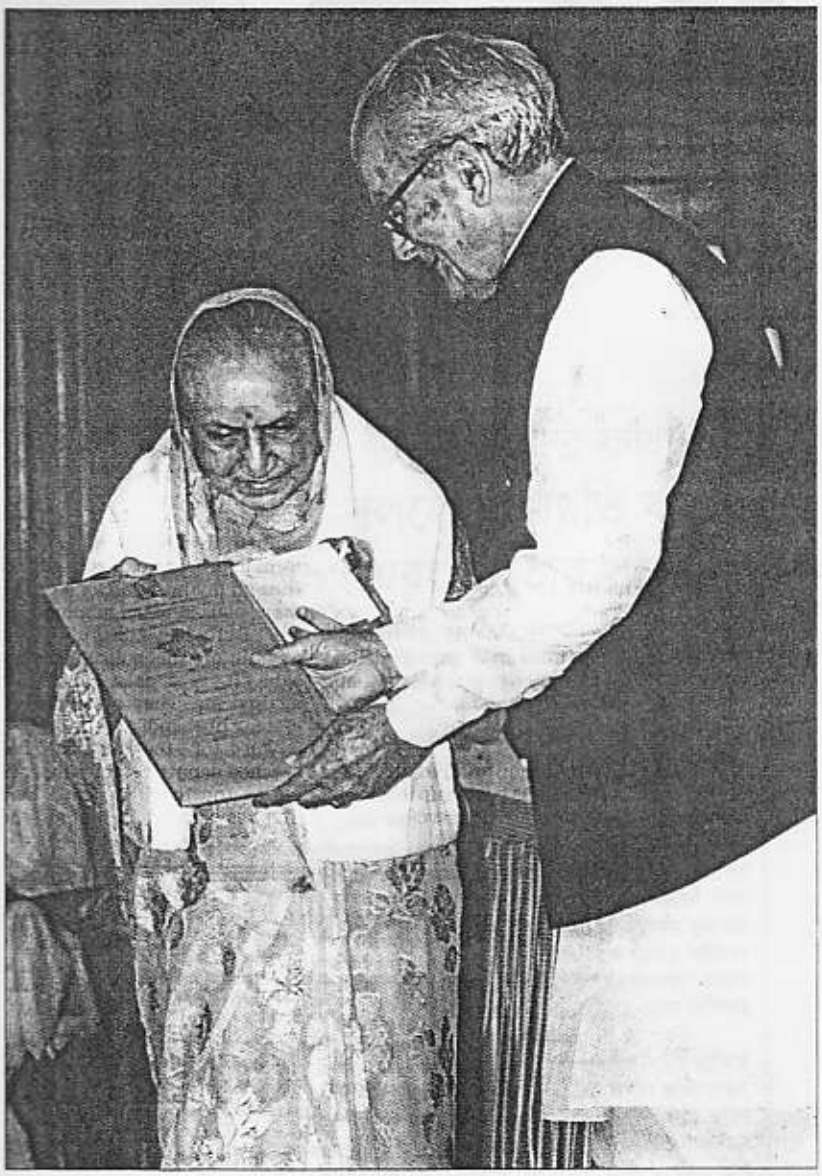

SUBHENDU GHOSH/HT

Vice-president Bhairon Shingh Shekhawat confers the Pravasi Pratibha Puraskar on Sarla Birla at a function organised by the Rajasthan Foundation on Thursday.

Sarla Birla honoured by Shekhawat

Saptarshi Banerjee
Kolkata, May 31

THE PRAVASI Pratibha Puraskar awarded by the Rajasthan Foundation, Kolkata, was conferred on Sarla Birla by Vice-President Bhairon Singh Shekhawat on Thursday.

The award is given to people who have contributed to the social, cultural and academic fields.

Addressing the gathering after receiving the honour, Sarla Birla said: "I do not have words to express my gratitude. I accept this honour as a *prasad*. There are about 10 lakh Rajasthanis in Kolkata and they are establishing themselves in various fields such as literature, culture and art. The new generation is also touching new heights and last year a Bikaner girl from Mahadevi Birla School became a topper."

The Vice-President urged the non-resident Marwari community to invest in Rajasthan. Shekhawat said investment was necessary to transform the land of sand dunes to a land of opulence. He said surveys by the Centre and the state have indicated that Rajasthan has rich sources of petroleum, coal, natural gas and gold. "Rajasthan will become economically prosperous with proper investments."

Shekhawat said the Marwari community should come forward to fund poverty alleviation programmes and educational institutions for poor children.

saptarshi_banerjee@hotmail.com

বর্তমান

কলকাতা, শুক্রবার ১ জুন ২০০৭, ১৭ জ্যৈষ্ঠ ১৪১৪

উপরাষ্ট্রপতি কথা বললেন জ্যোতি বসু এবং মমতার সঙ্গে

নিজস্ব প্রতিনিধি, কলকাতা: বৃহস্পতিবার কলকাতা সফরে এসে রাষ্ট্রপতি পদের আসন্ন নির্বাচন নিয়ে প্রবীণ সি পি এম নেতা জ্যোতি বসু ও তৃণমূল নেত্রী মমতা বন্দ্যোপাধ্যায়ের সঙ্গে আলোচনা করলেন উপ-রাষ্ট্রপতি ভৈরোঁ সিং শেখাওয়াত। প্রটোকল ভেঙে তিনি নিজেই জ্যোতিবাবু ও মমতার বাড়িতে যান। উপ-রাষ্ট্রপতি কালীঘাট মন্দিরে গিয়ে পুজোও দেন। তিনি দুটি অনুষ্ঠানেও যোগ দেন।

এদিন সকালে কলকাতা বিমানবন্দরে নেমেই ভৈরোঁ সিং সল্টলেকের ইন্দিরা ভবনে যান জ্যোতিবাবুর সঙ্গে দেখা করতে। তাঁদের মধ্যে প্রায় ১৫ মিনিট কথা হয়। বৈঠকের পর জ্যোতিবাবু সাংবাদিকদের বলেন, রাষ্ট্রপতি নির্বাচন নিয়ে তাঁদের মধ্যে কথা হয়েছে। তিনি বলেন রাজস্থানের মুখ্যমন্ত্রী থাকার সময় থেকে ভৈরোঁ সিংয়ের সঙ্গে আমার পরিচয়। অনেকদিন পর তাঁর সঙ্গে দেখা হয়ে ভালো লাগছে। প্রাক্তন কেন্দ্রীয় মন্ত্রী ও জনতা দল (ইউনাইটেড) নেতা দিগ্বিজয় সিংও জ্যোতিবাবুর বাড়িতে যান।

বিকেলে উপ-রাষ্ট্রপতি কালীঘাটে তৃণমূল নেত্রীর বাড়িতে যান। তাঁদের মধ্যে আট মিনিট কথা হয়। মমতা জানিয়েছেন, রাষ্ট্রপতি নির্বাচন নিয়ে কথা হয়েছে। উপ-রাষ্ট্রপতি এদিন রাজস্থান সমাজ ও মার্চেন্ট চেম্বার অব কমার্সের অনুষ্ঠানে তিনি ভাষণ দেন। সিপাহি বিদ্রোহের দেড়শো বছর পূর্তি উপলক্ষে মার্চেন্ট চেম্বার ওই অনুষ্ঠানের আয়োজন করে।

সংবাদ প্রতিদিন

কলকাতা ◆ ১ জুন ২০০৭ শুক্রবার ১৭ জ্যৈষ্ঠ ১৪১৪

দারিদ্র্য দূর করা প্রধান কাজ : ভৈঁরো সিং

বিশেষ সংবাদদাতা : দারিদ্র আজও ভারতের অভিশাপ। আর দেশে থেকে দারিদ্র মোচনই এখন সবথেকে গুরুত্বপূর্ণ কাজ বলে কলকাতায় এসে মন্তব্য করছেন উপরাষ্ট্রপতি ভৈঁরো সিং শেখাওত।

বৃহস্পতিবার বণিক সভা মার্চেন্ট চেম্বার অফ কমার্স ও রাজস্থান ফাউন্ডেশনের উদ্যোগে দু'টি পুরস্কার প্রদান অনুষ্ঠানে উপ-রাষ্ট্রপতি উপস্থিত ছিলেন। পর পর দু'টি অনুষ্ঠানেই তিনি দেশের সামগ্রিক উন্নয়নের পক্ষেই জোর দিয়ে বলেন, আজও ২৬ কোটি মানুষ দারিদ্র সীমার নীচে বসবাস করেন। শহরের সঙ্গে গ্রামের উন্নয়নের ফারাক আজও বিস্তর। ধনী-দরিদ্রের মধ্যে ব্যবধান কমিয়ে আনার পাশাপাশি শহর ও গ্রামের মধ্যে উন্নয়নের সেতুবন্ধন করেই আর্থিক সমৃদ্ধির পথে হাঁটতে হবে বলি তিনি জানান। রাজস্থান ফাউন্ডেশনের অনুষ্ঠানে তিনি গরীবদের জন্য হাসপাতাল, বিদ্যালয় গড়ার আহ্বান জানান।

এ দিন মার্চেন্ট চেম্বার অফ কমার্স দেশের ২১ জন পরমবীর চক্র প্রাপ্ত সাহসী যোদ্ধাদের মধ্যে বর্তমানে জীবীত তিন বীর সৈনিক ক্যাপ্টেন বানা সিং, হাবিলদার যোগীন্দার সিং যাদব ও হাবিলদার সঞ্জয় কুমারকে আর্থিক পুরস্কার ও সম্মানপত্র দিয়ে শ্রদ্ধা জানায়। তাঁদের হাতে ৫১ হাজার টাকার করে অর্থ মূল্য পুরস্কার তুলে দেন উপ-রাষ্ট্রপতি। একই সঙ্গে রাজস্থান ফাউন্ডেশন শিক্ষা ও চিকিৎসা ক্ষেত্রে বিশেষ অবদানের জন্য পুরস্কৃত করেন সরলা বিড়লাকে। উপ-রাষ্ট্রপতি তাঁর হাতে এক লক্ষ টাকা তুলে দেন। একই মঞ্চে এ দিন সম্মান জানানো হয় সর্দারমূল কাঙ্কারিয়া ও অনামিকা খান্নাকে। এই অনুষ্ঠানে উপস্থিত ছিলেন দীনেশ বাজাজ, মধু নেওটিয়া প্রমুখ ব্যক্তিত্ব।

মার্চেন্ট চেম্বার অফ কমার্সের অনুষ্ঠানে উপরাষ্ট্রপতি ভৈঁরো সিং শেখাওয়াত পুরস্কৃত করছেন সেনা কর্তাদের। —প্রতিদিন চিত্র

卐।।श्री हरिः।। 卐

सन्मार्ग

शुक्रवार, 1 जून, 2007

बंगाल और राजस्थान का संबंध युगों से है-हलीम

सन्मार्ग संवाददाता

कोलकाता : राजस्थान फाउण्डेशन, कोलकाता चैप्टर की ओर से गुरुवार को आयोजित सम्मान समारोह में डॉ. सरला बिड़ला, श्री सरदारमल कांकरिया, श्रीमती अनामिका खन्ना और मरुधरा को सम्मानित किया गया। उपराष्ट्रपति श्री भैरों सिंह शेखावत ने इन्हें सम्मानित किया। समारोह में सम्बोधित करते हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम ने कहा कि बंगाल में स्नेह और आकर्षण है, इसलिए यहां लोग आते हैं।

बंगाल और राजस्थान का संबंध युगों से है। नयी पीढ़ी की भूमिका को बताते हुए उन्होंने कहा कि देश के विकास और गरीबी को मिटाने के लिए सामाजिक सम्मिश्रण जरूरी है। उन्होंने नयी पीढ़ी से दहेज प्रथा को मिटाने पर बल देने को कहा। 'गुर्जर आंदोलन' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गरीब और अमीर के बीच के फर्क को खत्म करना होगा, तभी इस तरह के आंदोलन बंद होंगे। राज्य के मंत्री अब्दुल सत्तार ने कहा कि बंगाल की भूमि भारत की मिलन भूमि है और मारवाड़ी हमारी प्रेरणा हैं। सबको लेकर आगे बढ़ना होगा। पूर्व रेल राज्य मंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि अखण्डता को एकता में बदलने के लिए राजस्थानी समाज की अहम भूमिका है। वे जहां गये उसी को कर्मभूमि बनाकर वहां रच-बस गये। डॉ. सरला बिड़ला ने सम्मानित किये जाने पर आभार प्रकट करते हुए कहा कि नयी पीढ़ी में तेजस्विता है और उसमें प्रखण्डता है। राजस्थान की परम्परा व संस्कृति को आगे बढ़ाने में उनकी अहम भूमिका है। कोलकाता में करीब 10 लाख प्रवासी मारवाड़ी हैं। बंगाल का प्रेम ही उन्हें यहां बांध कर रखता है। हरि मोहन बांगड़ ने कहा कि हमारी परम्परा, सामंजस्य भाव और आपसी सहयोग बंगाल और राजस्थान के बीच सेतु बंधन है।

संस्कृति, परम्परा व आपसी प्रेम को बढ़ावा देना ही हमारे तमाम कार्यक्रमों का उद्देश्य हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में महारत हासिल करने और सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने के लिये प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार से डॉ. सरला बिड़ला को, लोक व समाज सेवा (चिकित्सा) के क्षेत्र में हल्दी घाटी सम्मान से श्री सरदारमल कांकरिया को, कला व संस्कृति के क्षेत्र में मुकाम हासिल करने के लिए अनामिका खन्ना को मरूधर गौरव पुरस्कार और राजस्थान की परम्परा व कला को विस्तार करने के लिए धरती धोरां री सम्मान से मरुधारा संस्था को सम्मानित किया गया। इस मौके पर उद्योगपति बसंत कुमार बिड़ला, डॉ. प्रभा खेतान, विधायक दिनेश बजाज, फाउंडेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़, राधेश्याम अग्रवाल, संजय बुधिया, मंजुश्री खेतान, सन्मार्ग के सम्पादक रामअवतार गुप्त, दीपचन्द नाहटा, भगवती प्रसाद बाजोरिया, कुंज बिहारी अग्रवाल, बी एम खेतान, तिलोकचन्द डागा, फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया, राजकुमार शर्मा, राजेश बिनानी, भानीराम सुरेका समेत अन्य गण्यमान्य लोग उपस्थित थे। समारोह का संचालन विश्वंभर नेवर ने किया। स्वागत भाषण हर्षवर्द्धन नेवटिया ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सीताराम शर्मा ने किया।

तीन विभूतियों का हुआ सम्मान

श्रीमती सरला बिड़ला

श्री सरदार मल कांकरिया

अनामिका खन्ना

卐 ।। श्री हरिः ।। 卐

सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

कोलकाता
शुक्रवार 1 जून, 2007,

प्रवासी मारवाड़ी राजस्थान के विकास पर ध्यान दें-शेखावत

शिक्षा, बुद्धि, कर्म हर क्षेत्र में पूरे हिन्दुस्तान में छाये हैं मारवाड़ी

सन्मार्ग संवाददाता

कोलकाता : भारत के उपराष्ट्रपति महामहिम श्री भैरों सिंह शेखावत ने प्रवासी मारवाड़ियों से राजस्थान के विकास हेतु ध्यान देने और आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने राजस्थान को बहुत कुछ दिया है, इसके बावजूद राजस्थान के विकास के लिए प्रवासी मारवाड़ियों को राजस्थान के लिए कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के देवी-देवता प्रवासी मारवाड़ियों के लिए महत्व मान्यता रखते हैं, लेकिन राजस्थान केवल देवी-देवताओं के आगे माथा टेकने की जगह नहीं है, प्रवासी मारवाड़ियों को राजस्थान का विकास अधिक से अधिक कैसे हो, इस पर चिंता करने और काम करने की जरूरत है।

महामहिम राजस्थान फाउण्डेशन, कोलकाता चैप्टर की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में बोल रहे थे। सम्मान समारोह कार्यक्रम में महामहिम ने प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार डॉ. सरला बिड़ला को, हल्दीघाटी सम्मान से सरदारमल कांकरिया को, धरती धौंरा री सम्मान से मरुधारा ग्रुप को और मरुधर गौरव पुरस्कार से फैशन डिजाइनर अनामिका खन्ना को नवाजा। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पुरस्कार पूरे राजस्थान के सम्मान को संबोधित करता है। ऐसे सम्मान के अवसर पर पूरे राजस्थान के लोगों के हौसले बुलंद होते हैं।

राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर की ओर से आयोजित सम्मान समारोह के उद्घाटन मौके पर उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत, डॉ. प्रभा खेतान, बी. के. बिड़ला, हरिमोहन बांगड़, आर. एस. अग्रवाल, संदीप भुतोड़िया व दिनेश बजाज

राजस्थान की रीति, नीति, परम्परा और संस्कृति ही राजस्थान की विरासत है। राजस्थान निवासी शिक्षा, बुद्धि, कर्म हर क्षेत्र में पूरे हिन्दुस्तान में छाये हैं। राजस्थान पहले जैसा नहीं है। अब राजस्थान की तस्वीर बदली है। काफी अच्छे व विकासमूलक काम वहां हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हमें जो दिया है, उसका उपयोग कठिन है, लेकिन सही उपयोग से राजस्थान धन की धरती बन सकता है। उन्होंने कहा कि 'धरती धौंरा री' का इतिहास मामूली नहीं है। राजस्थान से जितने भी प्रवासी मारवाड़ी आये विकास कार्यों में शामिल हुए और उनके कार्यों से शहर का कितना विकास हुआ है, उसका अनुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने राजस्थानवासियों से ज्यादा से ज्यादा गरीब तबके के लोगों के लिए काम करने को कहा।

महामहिम ने कहा कि देश की 26 करोड़ जनता गरीबी रेखा के नीचे है। उन्होंने कहा कि स्कूल में ड्राप आउट की संख्या बढ़ी है, इसमें गरीब बच्चे ज्यादा शामिल हैं। गरीब बच्चों के लिए बिरला इंस्टीट्यूट जैसे स्कूल बनाये जाय, जहां बच्चों को पढ़ने के लिए पुस्तकें दी जाय। तकनीकी शिक्षा के लिए भी गरीबों के लिए इंस्टीट्यूट खोलने, अस्पताल खोलने, मेडिकल सर्विसेज प्रदान करने की बात प्रवासी मारवाड़ियों से महामहिम ने कही। उन्होंने कहा कि बीमारी में केवल दवा के अभाव में गरीब लोगों की मौत हो जाती है। उपराष्ट्रपति ने राजस्थान फाउन्डेशन, कोलकाता चैप्टर से गरीबों के लिए काम करने वाले को पुरस्कृत करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रवासी मारवाड़ियों व साधन सम्पन्न लोगों को गरीबी मिटा कर मिसाल कायम करना होगा, ताकि बाहर के लोग आकर इससे शिक्षा लें।

जनसत्ता

कोलकाता शुक्रवार 1 जून 2007

गरीबों के लिए सामाजिक कार्य करें उद्योगपति : उपराष्ट्रपति

जयनारायण प्रसाद

कोलकाता, ३१ मई। उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत ने आज महानगर कोलकाता में आयोजित अपने दो कार्यक्रमों में उद्योगपतियों को फिर याद दिलाया कि वे गरीब लोगों की 'बेहतरी' के लिए कार्य करें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विकास दर में तेजी से हो रही बढ़ोतरी के बावजूद देश में २६ करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे जी रहे हैं। उन्होंने कहा- यह शर्मनाक है। उद्योगपतियों को इसके लिए आगे आना चाहिए। शेखावत ने कहा कि गरीब के बच्चों के लिए आज भी देश में न तो कायदे का शिक्षण संस्थान है और न ही उनके लिए चिकित्सा की व्यवस्था। दो जून रोटी के लिए आज भी गरीब का बच्चा दर-दर भटकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उद्योगपतियों को इस बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए।

उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत वृहस्पतिवार की सुबह शहर के ग्रांड होटल में आयोजित 'मर्चेंट चेंबर आफ कामर्स' (एमसीसी) के एक कार्यक्रम में भारतीय सेना के तीन शूरवीरों को सम्मानित करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। भारतीय स्वाधीनता की पहली लड़ाई के १५० वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम को मर्चेंट चैंबर आफ कामर्स (एमसीसी) के अध्यक्ष संतोष सराफ व कार्यक्रम समिति के चेयरमैन आदित्य वी. अग्रवाल ने भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम के बाद उपराष्ट्रपति ने शाम को ताज बंगाल में आयोजित 'राजस्थान फाउंडेशन' (कोलकाता चैप्टर) के समारोह में हिस्सा लिया और राजस्थान के उद्योगपतियों से निर्धन लोगों की सेवा की अपील की।

'राजस्थान फाउंडेशन' (कोलकाता चैप्टर) के कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत ने डा. सरला बिड़ला को 'प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार' से सम्मानित किया। इसके अलावा सरदारमल कांकरिया को बाकी पेज 8 पर

गरीबों के लिए सामाजिक कार्य करें उद्योगपति : उपराष्ट्रपति

पेज एक का बाकी

समाज सेवा के कार्य के लिए 'हल्दीघाटी सम्मान', ड्रेस डिजाइनर श्रीमती अनामिका खन्ना को 'मरुधर गौरव पुरस्कार' और मरुधारा संस्था को 'धरती धोरां री सम्मान' से भी नवाजा गया।

इस कार्यक्रम में प. बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, वसंत बिड़ला, हर्ष नेवटिया, हरिमोहन बांगड़, डा. प्रभा खेतान, मंत्री अब्दुस सत्तार, सांसद दिग्विजय सिंह, राधेश्याम अग्रवाल और राजस्थान फाउंडेशन (कोलकाता चैप्टर) के सचिव संदीप भूतोड़िया समेत राजस्थानी समाज के अनेक लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन विश्वंभर नेवर ने किया।

'राजस्थान फाउंडेशन' के जलसे में उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत ने कई लोगों को सम्मानित करने के बाद अपनी बात खुलकर रखी। उपराष्ट्रपति ने कहा- उद्योग लगाने के लिए पूंजी निवेश की जरूरत शत-प्रतिशत होती है।

लोगों को पूंजी अर्जित करने का अधिकार भी है, पर हमारे कुछ सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। गरीब व निर्धन लोगों की 'बेहतरी' के लिए हमें सबसे पहले आगे आना चाहिए। उनके लिए स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और भरण-पोषण का इंतजाम होना चाहिए।

नहीं तो सारा विकास व सम्मान किसी काम का नहीं रह जाएगा। उपराष्ट्रपति ने साफ शब्दों में कहा कि इसके लिए उद्योगपतियों को 'सेवा का संकल्प' लेना चाहिए और तन-मन-धन से कार्य करना चाहिए।

प्रभात

कोलकाता, 1 जून

खुश हूं नयी पीढ़ी राजस्थ

राजस्थान फाउंडेशन की तरफ से उपराष्ट्रपति ने डॉ सर

समारोह का उद्घाटन करते उपराष्ट्रपति. साथ में बायें से प्रभा खेतान, बीके बिरला, संदी

कोलकाता : आजकल जो अस्पताल और विद्यालय खुल रहे हैं, वे सच्चे अर्थों में स्कूल व अस्पताल नहीं बल्कि एक इंडस्ट्री के रूप में खुल रहे हैं. ऐसे स्कूलों में गरीब बच्चों के लिए भी पढ़ने की व्यवस्था होनी चाहिए. जब तक गरीब की दुआएं नहीं मिलेंगी, तब तक देश का विकास नहीं होगा. ये बातें राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर द्वारा आयोजित प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार वितरण समारोह में उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत ने कही. आज जिसका सम्मान किया गया है, यह उनका नहीं, यह सम्मान पूरे राजस्थान का है. उन्होंने कहा कि बिरला परिवार ने बीआइटी पिलानी जैसे शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से राजस्थान के विकास में अहम भूमिका निभायी है. देश में सेवा, चिकित्सा व शिक्षा के क्षेत्रों में राजस्थानियों ने अलग पहचान बनायी है. सम्मान समारोह में उपराष्ट्रपति श्री शेखावत ने प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार से डॉ सरला बिरला को सम्मानित किया. हल्दी घाटी सम्मान से सरदारमल कांकरिया, धरती धोरां री सम्मान से मरुधारा (संस्था) व मरुधर गौरव पुरस्कार से अनामिका खन्ना को सम्मानित किया. सम्मान से आत्मविभोर डॉ सरला बिरला ने कहा कि राजस्थान की बहू के रूप में मैंने बंगाल की भूमि पर रहते हुए इसकी कला और संस्कृति को करीब से देखा है. मुझमें यह कितना समाया हुआ है, कह नहीं सकती. मुझे खुशी है कि हमारे समाज की नयी पीढ़ी की छात्र-छात्राएं बोर्ड की विभिन्न परीक्षाओं में शीर्ष पर आ रही हैं. यह हमारे लिए गौरव की बात है. राजस्थान की शानदार गौरवशाली परंपरा को बढ़ाने में हमारी नयी पीढ़ी सक्षम है. सचिव संदीप भूतोड़िया ने अतिथियों का स्वागत किया. स्वागत भाषण हर्षवर्द्धन नेवटिया और संस्था के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ ने संस्था की गतिविधिओं के बारे में बताया. पुरस्कार चयन समिति की अध्यक्ष प्रभा खेतान ने सम्मानित व्यक्तियों के उपलब्धियों के बारे में बताया. समारोह का संचालन पत्रकार विश्वंभर नेवर ने किया. धन्यवाद ज्ञाप अब्दुल हली भानीराम सुरे अतिथियों क विधायक दिने मौजूद थे. इ दाऊलाल बि श्रीकांत मंत्री लोकनाथ डो

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

खबर

अखबार नहीं आंदोलन

007

ान का गौरव बढ़ा रही है : डॉ सरला बिरला

ा बिरला को प्रवासी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया, समारोह में मौजूद रहीं महानगर की हस्तियां

भूतोड़िया, एचएम बांगड़, दिनेश बजाज, आरएस अग्रवाल. सम्मान ग्रहण करतीं सरला बिरला, अनामिका खन्ना, मरुधारा की प्रतिनिधि व सरदारमल कांकरिया

सीताराम शर्मा ने किया. इस अवसर पर विधानसभा के अध्यक्ष हसीम
, मंत्री अब्दुस सत्तार व सांसद दिग्विजय सिंह ने भी अपने विचार रखे.
, राजकुमार शर्मा, राजेश बियानी, तिलोक चंद डागा ने उपराष्ट्रपति व
स्मृति चिन्ह भेंट में दिया. इस अवसर पर उद्योगपति बसंत कुमार बिरला,
बजाज व उद्योगपति राधेश्याम अग्रवाल भी गणमान्य अतिथि के तौर पर
अवसर पर हरखचंद कांकरिया, मामराज अग्रवाल, जोधराज लढ्ढा,
ानी, जुगल किशोर जैथलिया, रतन शाह, पूनमचंद दूगड़, प्रमोद दूगड़,
अरुण मल्लावत, राधेश्याम मिश्र, अरुण तिवारी, संजय हरलालका,
ानिया सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

पुरुषोत्तम तिवारी

18B

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

जमशेदपुर, शुक्रवार
1 जून, 2007
कोलकाता संस्करण

सम्मान

सरला बिड़ला को सम्मानित करते उपराष्ट्रपति जागरण

मातृभूमि के विकास पर ध्यान दे राजस्थानी समाज : शेखावत

- कोलकाता चैप्टर के समारोह में पहुंचे उपराष्ट्रपति

जागरण ब्यूरो, कोलकाता : उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत ने राजस्थानी समाज से अपील की है कि वह देश की अन्य जगहों की तरह मातृभूमि के विकास पर भी ध्यान केंद्रित करें। उपराष्ट्रपति गुरुवार को कोलकाता में राजस्थान फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर की ओर से आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। भैरोसिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थानी जहां भी जाते हैं, वह उस इलाके के विकास में जुड़ जाते हैं। इसका माकूल उदाहरण पश्चिम बंगाल भी है। बंगाल के आर्थिक विकास में राजस्थानी समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने मारवाड़ी समाज से अपील की कि वह गरीबों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायें। उपराष्ट्रपति ने सरला बिड़ला को प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके अलावा अनामिका खन्ना को मरुधर गौरव पुरस्कार, मरुधारा संस्था को धरती धोरा री सम्मान व सरदारमल कांकड़िया को हल्दीघाटी सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर उद्योगपति बीके बिड़ला, संजय बुधिया, हर्ष नेवटिया, हरिमोहन बांगड़, विधायक दिनेश बजाज, विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री अब्दुस सत्तार, जदयू नेता दिग्विजय सिंह, राजस्थान फाउंडेशन पुरस्कार चयन समिति की चेयरमैन प्रभा खेतान, संदीप भूतोड़िया व अन्य मौजूद थे। बहरहाल उपराष्ट्रपति के तीनों कार्यक्रमों में स्थानीय लोग काफी तादाद में शरीक हुए।

राजस्थान
पत्रिका
कोलकाता ■ शुक्रवार ■ 1 जून, 2007

सेवा का सम्मान

डॉ. सरला बिड़ला को प्रवासी प्रतिभा सम्मान देते उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत। पीछे परिलक्षित हैं प्रभा खेतान, बसंत कुमार बिड़ला व विधानसभा अध्यक्ष हासीम अब्दुल हलीम।

उपराष्ट्रपति ने राजस्थानी प्रवासियों से की अपील

गरीबी मिटाने

20A

की गारंटी लें

राजस्थान फाउंडेशन का सम्मान समारोह

कार्यालय संवाददाता
कोलकाता, 31 मई।

उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत ने कोलकाता में बसे राजस्थान के प्रवासियों से अपील की है कि वे गरीबी मिटाने के अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। उन्होंने कहा- यहां के मारवाड़ी गारंटी लें कि वे गरीबी मिटाने में अनुकरणीय भूमिका निभाएंगे।

राजस्थान फाउण्डेशन के कोलकाता चैप्टर की ओर से आयोजित सम्मान कार्यक्रम में शेखावत ने कहा कि औद्योगिक विकास, व्यवसाय व स्वहित के साथ ही मारवाड़ी समाज के सम्पन्न लोगों को शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे आना होगा, विशेषकर गरीबों को उच्च शिक्षा सुनिश्चित कराने के लिए। इससे सबको शिक्षा मिलेगी। स्कूलों से ड्रॉप आउट की संख्या में कमी आएगी। अमीर-गरीब के बीच की दूरी घटेगी।

शेखावत ने फाउण्डेशन से अपील की कि वे गरीबों की सेवा करने वालों के लिए भी एक पुरस्कार शुरू करें।

फाउंडेशन के इस आयोजन में राज्य विधानसभा अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम, राज्य के अल्पसंख्यक विकास मंत्री अब्दुस सत्तार, सांसद दिग्विजय सिंह ने भी वक्तव्य रखा।

मंच पर उद्योगपति बसंत कुमार बिड़ला, हर्षवर्धन नेवटिया, प्रभा खेतान, राधेश्याम अग्रवाल, राजस्थान फाउण्डेशन के अध्यक्ष हरि मोहन बांगड़, विधायक दिनेश बजाज और सचिव संदीप भूतोड़िया भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विश्वंभर नेवर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सीताराम शर्मा ने किया।

राजस्थान में निवेश की अपील

शेखावत ने सभाकक्ष में उपस्थित मारवाड़ियों से अपील की कि वे अपनी मातृभूमि के साथ केवल औपचारिकता भर सम्बन्ध नहीं रखें। आज उनकी पहचान राजस्थान है। ऐसे में देस को भी चमकाना उनका ही कर्तव्य है। देस को जरूरत है निवेश की, उद्योग की, सहयोग की।

सरला बिड़ला, सरदारमल कांकरिया, अनामिका खन्ना व मरूधारा को सम्मान

विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान के लिए गुरुवार को राजस्थान फाउण्डेशन की ओर से महानगर की हस्तियों को उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत ने सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय सेवा देने वाली डॉ. सरला बिड़ला को प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार; शिक्षा क्षेत्र में योगदान देने वाले सरदारमल कांकरिया को हल्दीघाटी सम्मान, फैशन डिजायनिंग में ख्याति हासिल करने वाली अनामिका खन्ना को मरूधर गौरव सम्मान तथा जानी-मानी सामाजिक संस्था मरूधारा को धरती धोरां री सम्मान से नवाजा गया। सम्मान स्वरूप शॉल, स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस मौके पर सरला बिड़ला ने हर क्षेत्र में मारवाड़ी समाज की युवा पीढ़ी की कीर्तियों की चर्चा की और कहा कि समरसता और सेवा भाव मारवाड़ी की पहचान है। इसे अब तक हमने जीवित रखा है। उम्मीद है आने वाली पीढ़ी इसे और आगे ले जाएगी।

दैनिक
विश्वमित्र
कोलकाता, १ जून २००७

गरीबों के लिए काम करे मारवाड़ी समाज, राजस्थान के लिए भी सोचें : शेखावत

राजस्थान फाउंडेशन के सम्मान समारोह में हरिमोहन बांगड़, प.बं. अल्पसंख्यक विकास मंत्री अब्दुस सत्तार, हर्षवर्द्धन नेवटिया, डॉ. प्रभा खेतान, सुप्रसिद्ध उद्योगपति बसंत कुमार बिड़ला, विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, विधायक दिनेश बजाज तथा उद्योगपति राधेश्याम अग्रवाल। - विश्वमित्र

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत। साथ में हैं राजस्थान फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया। - विश्वमित्र

डॉ. (श्रीमती) सरला बिड़ला को 'प्रवासी प्रतिभा' पुरस्कार, सरदारमल कांकरिया को 'हल्दीघाटी सम्मान', मरुधारा को 'धरती धोरा री सम्मान' तथा अनामिका खन्ना को 'मरुधर गौरव' अवार्ड

कोलकाता, ३१ मई (नि.प्र.)। देश में गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर करने वाली २६ करोड़ आबादी को रोटी, शिक्षा, चिकित्सा तथा दवा मिले, मारवाड़ी समाज इसके लिए काम करे। आज स्कूल, कॉलेज, इंस्टीच्यूट तो बहुत खुल रहे हैं, लेकिन वे पैसा कमाने का उद्योग बन रहे हैं। जरूरत है कि बिड़ला इंस्टीच्यूट पिलानी जैसे अनेक संस्थान खोले जाएं जहां गरीबों के बच्चों को शिक्षा मिल सके। यह सम्पन्न लोगों की जिम्मेदारी है। जब तक गरीब दुआएं नहीं देगा, भारत विकास नहीं करेगा। यह बात उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत ने आज यहां होटल ताज बंगाल में राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर के वार्षिक सम्मान समारोह में कहीं। डॉ. (श्रीमती) सरला बिड़ला को प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार, श्री सरदारमल कांकरिया को हल्दीघाटी सम्मान, अनामिका खन्ना को मरूधर गौरव अवार्ड तथा मरुधारा को धरती धोरारी सम्मान प्रदान करते हुए उपराष्ट्रपति ने राजस्थानी समाज के लोगों से राजस्थान के विकास में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि या तो धरती धोरारी कहना छोड़ दें अथवा राजस्थान के विकास के लिए कुछ करें। उन्होंने कहा कि सिर्फ देवी-देवता की पूजा करने ही राजस्थान न जाएं, वहां विकास के लिए निवेश करें। सभी लोग निवेश करेंगे तो राजस्थान की धरती धोरारी धन की धरती बन जाएगी। उपराष्ट्रपति ने पश्चिम बंगाल में रहने वाले राजस्थानी समाज से कहा कि बंगाल के प्रति आपकी जिम्मेदारी है, किन्तु इसके साथ ही राजस्थान के लिए भी सोचें। इस तरह के सम्मान समारोहों को स्वागत योग्य करार देते हुए श्री शेखावत ने कहा कि यह सम्मान पूरे राजस्थान का सम्मान है। इससे पूरे राजस्थान के लोगों का हौसला बढ़ता है। प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार के तहत डॉ. श्रीमती सरला बिड़ला को शाल, स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र तथा एक लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। पुरस्कार पाने वाले सभी लोगों को शाल, स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र दिये गये।

बतौर अतिथि पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम ने राजस्थान तथा बंगाल के प्राचीन संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि बंगाल का ऐसा आकर्षण है कि जो भी यहां आता है, यहीं का होकर रह जाता है। उन्होंने राजस्थानी समाज से नयी पीढ़ी को शादी-विवाह में खुलापन लाने तथा शादी-विवाह के मौकों पर फिजुलखर्ची कम करने की सलाह दी। सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि देश की एकता-अखंडता कायम रखने में मारवाड़ी समाज की अहम भूमिका है। पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक विकास मंत्री अब्दुस सत्तार ने राज्य की विशेषता का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की मिलन भूमि है बंगाल। सम्मान के प्रति आभार ज्ञापन करते हुए श्रीमती सरला बिड़ला ने कहा कि फाउंडेशन ने जब मुझे सम्मान प्रदान करने की सूचना दी तो मैं असमंजस में पड़ गयी। सम्मान से मैं भावविभोर हूं। कृतज्ञता ज्ञापन के लिए शब्द नहीं है। कन्हैया लाल सेठिया, श्यामानंद जालान के बाद यह सम्मान प्राप्त करना बड़ी बात है। मैं इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण कर रही हूं। उन्होंने कहा कि राजस्थानी जिस क्षेत्र में भी गये, समरस हो गये हैं। विश्वास है नयी पीढ़ी भी इस परम्परा को कायम रखेगी। फाउंडेशन के चेयरमैन श्री हरिमोहन बांगड़ ने फाउंडेशन की गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल तथा राजस्थान के बीच यह फाउंडेशन सेतु का काम कर रहा है। श्री हर्षवर्द्धन नेवटिया ने स्वागत भाषण किया। साहित्यकार डॉ. प्रभा खेतान ने श्रीमती बिड़ला, श्री कांकरिया, मरुधारा तथा अनामिका खन्ना का परिचय दिया। फाउंडेशन के सचिव श्री संदीप भूतोड़िया ने पुष्पगुच्छ भेंटकर अतिथियों का स्वागत किया। श्री भानीराम सुरेका, राजकुमार शर्मा तथा राजेश बिहानी ने कोलकाता सिल्वर लाइन प्रदान की। श्री तिलोक चन्द डागा ने उपराष्ट्रपति को प्रतीक चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन विश्वम्भर नेवर ने किया। समारोह मंच पर सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री बसंत कुमार बिड़ला, श्री राधेश्याम अग्रवाल, विधायक दिनेश बजाज भी उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन सीताराम शर्मा ने किया। कार्यक्रम में राजस्थानी समाज की सभी हस्तियां उपस्थित थीं।

डॉ. (श्रीमती) सरला बिड़ला को प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार प्रदान कर रहे उप राष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत। - विश्वमित्र

लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

छपते छपते

कोलकाता एवं कटिहार से एक साथ प्रकाशित

• कोलकाता • ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 1 संवत् 2064, शुक्रवार 1 जून 2007

उप राष्ट्रपति श्री भैरों सिंह शेखावत, डा. श्रीमती सरला बिड़ला को राजस्थान फाउंडेशन प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित करते हुए।
- फोटो : छपते छपते

गरीबी खत्म करने में राजस्थानी समाज आगे आये : शेखावत

उप राष्ट्रपति श्री भैरों सिंह शेखावत ने आज कहा कि देश में 26 करोड़ व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे वास करते हैं। इस कलंक को मिटाने का बीड़ा राजस्थानी समाज को लेना चाहिये। उप राष्ट्रपति राजस्थान फाउंडेशन द्वारा आयोजित पुरस्कार समारोह में उद्घाटन भाषण दे रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज का हर व्यक्ति अगर यह प्रण कर ले कि वह एक परिवार को अन्न वस्त्र देगा तो यह विशाल कार्य आसानी से किया जा सकता है। श्री शेखावत ने कहा कि राजस्थान में अशिक्षा के धब्बे को मिटाने में उन्होंने पहल की थी एवं मुख्यमंत्री के कार्यकाल में 73 करोड़ रुपये की पाठ्य पुस्तकें गरीब छात्र-छात्राओं में वितरित की। आज राजस्थान अशिक्षा के अभिशाप से निकल चुका है। उन्होंने बिड़ला परिवार के अवदान का उल्लेख किया एवं राजस्थानी समाज को परामर्श दिया कि वह उनका अनुसरण करे।

卐।।श्री हरिः।। 卐

सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

कोलकाता
शनिवार 2 जून, 2007,

राजस्थान फाउण्डेशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में उपराष्ट्रपति श्री भैरोंसिंह शेखावत को स्मृतिचिन्ह भेंट करते हुए श्री तिलोकचन्द डागा एवं कार्यक्रम उपसमिति की तरफ से कोलकाता स्काइलाइन का प्रतीक चिन्ह भेंट करते श्री भानीराम सुरेका, श्री राजकुमार शर्मा एवं श्री राजेश बिहानी।